ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -25 | मई - II - 2023 | अंक - 04 | माउण्ट आबू | Rs.-12

ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में 'दिव्य समर्पण समारोह'

सप्त शिव शक्तियों ने किया ईश्वरीय मार्ग पर जीवन समर्पित

माता-पिता एवं परिजन अपनी बेटियों के दिव्य स्वयंवर को देख हुए गदगद

दृढ़ प्रतिज्ञाओं के साथ पूरी हुई दिव्य समर्पण समारोह की प्रक्रिया

3000 से भी अधिक लोग हुए अलौकिक दिव्य समर्पण समारोह में सम्मिलित

ओ.आर.सी.-गुरुग्राम। ब्रह्माकुमारीज़ के भोराकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर के दादी प्रकाशमणि सभागार में दिव्य समर्पण समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में 7 कुमारियों ने अपने जीवन को ईश्वरीय सेवाओं में सम्पूर्ण समर्पित करने का दृढ़ संकल्प लिया। उनके माता-पिता को ऐसी दैवी स्वरूप बेटियों को पाकर गौरव महसूस हो रहा था। उनकी आँखों में खुशियों के आँसू छलक आये।

इस मौके पर ब्रह्माकुमारीज़ के अति. महासचिव राजयोगी ब्र.कु. बृजमोहन भाई ने कहा कि ये कुमारियां परमात्मा का नाम रोशन करेंगी। ये वो कुमारियां हैं जो किसी के भी 21 कुल का उद्धार कर सकती हैं। ये शिव शक्तियां हैं जो शिव की शक्ति से सबका कल्याण करेंगी।

अलवर से आईं ब्र.कु. ममता बहन ने माता-पिता के द्वारा उनकी बेटियों के प्रति शुभ संकल्पों का उच्चारण कराया। सभी के माता-पिता ने कहा कि उन्हें अपने भाग्य पर नाज़ है जो उनकी पुत्रियों को ईश्वरीय कार्य में समर्पित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सभी ने अपनी शुभ भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी पुत्रियां ईश्वरीय मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ती रहें और अनेकों का कल्याण करती रहें।

इंदौर से आईं ब्र.कु. शकुंतला बहन ने सभी कुमारियों को ईश्वरीय मर्यादाओं के प्रति विशेष प्रतिज्ञाएं कराई। सभी कुमारियों ने प्रतिज्ञा की कि सदा वफादारी, ईमानदारी और अपने पवित्र श्रेष्ठ जीवन के आधार से परमात्मा की हरेक श्रीमत का पालन करेंगे।

ईश्वर के प्रति समर्पित भाव ही सेवा का सच्चा साधन

आज इन बहनों ने परमात्मा को अपना जीवन समर्पित किया है। ईश्वर के प्रति समर्पित भाव ही सेवा का सच्चा साधन है। ईश्वर के प्रति समर्पण आत्मा को शक्तिशाली बनाता है। ईश्वरीय मार्ग पर समर्पित होना श्रेष्ठ भाग्य की निशानी है। धन्य हैं इन कन्याओं के माता-पिता जिन्होंने इन्हें परमात्मा को समर्पित कर दिया। जब हम परमात्मा पर अपना सर्वस्व न्योछावर कर देते हैं तो फिर परमात्मा ही हमारा ज़िम्मेवार हो जाता है - **यूरोप स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी।**

इन्होंने विश्व कल्याण का महान लक्ष्य चुना

ईश्वरीय मार्ग ही वास्तव में सत्य और सनातन है। इस मार्ग पर चलकर हम सिर्फ अपना ही नहीं बल्कि औरों का भी कल्याण करते हैं। इन कुमारियों ने विश्व कल्याण का महान लक्ष्य चुना है - **ओ.आर.सी. निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी।**

नव विश्व के सृजन के लिए समर्पण

आज ये कुमारियां जगत माता बन गईं। क्योंकि ये शिव की सच्ची सजनियां बनी हैं। इन कुमारियों ने नव विश्व के सृजन के लिए समर्पण किया है। ये सभी दिव्य और अलौकिक हैं - **ओ.आर.सी. निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी।**

समारोह में इन्होंने भी रखे विचार

- दिल्ली, शक्ति नगर सेवाकेन्द्र की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी ने कहा कि ये समर्पण प्रतीक है परमात्मा के साथ आत्मा के सच्चे सम्बंध का।
- दिल्ली, करोल बाग सेवाकेन्द्र की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. पुष्पा दीदी ने कहा कि ये वो कुमारियां हैं जिन्होंने परमात्मा शिव को पहचाना है।
- चेन्नई से आईं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. वीणा दीदी ने कहा कि अपने लिए तो सब जीते हैं लेकिन इन बहनों ने दूसरों की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित किया है।

सात बहनों ने समर्पित किया अपना जीवन

बड़ौत उ.प्र. से ब्र.कु. वर्षा, रोहतक हरियाणा से ब्र.कु. निधि, पात्रा पंजाब से ब्र.कु. मोनिका, वसुंधरा उ.प्र. से ब्र.कु. ईशु, लुधियाना पंजाब से ब्र.कु. गुरप्रीत, ग्रेटर नोएडा से ब्र.कु. अल्का एवं फिरोजपुर पंजाब से ब्र.कु. शेफाली ने अपना जीवन ईश्वरीय सेवार्थ समर्पित किया।

क्लब कार में निकली शोभायात्रा

सभी कुमारियों को सजाकर क्लब कार में बिठाकर शोभायात्रा निकाली गई। ऐसा नज़ारा जैसे कि फरिश्ते इस धरती पर उतर आये हों। पूरे परिसर में जगह-जगह पर सबने उनपर फूलों की वर्षा की। 7 क्लब कार में कुमारियों के साथ-साथ उनके माता-पिता को भी बिठाया गया। शोभायात्रा में कार को बहुत ही सुंदर फूल-मालाओं से सजाया गया।

कार्यक्रम की कुछ झलकियां यहां

- इस अवसर पर बहुत सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें पार्श्व गायक हरीश मोयल एवं उनके ग्रुप ने ईश्वरीय स्मृति के गीतों से समा बांध दिया।
- पंजाबी लोक नृत्य के माध्यम से कलाकारों ने सबका मन मोह लिया।
- 'शिव से चले ब्याहने' नृत्य नाटिका के माध्यम से कलाकारों ने समर्पण समारोह का उद्देश्य स्पष्ट किया।

कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. ममता बहन एवं ब्र.कु. मधु बहन ने किया।